नवाचार-7

चित्रकथा के माध्यम से शिक्षा

अक्सर माता-पिता इस बात से चिंतित रहते हैं कि उनके बच्चे का पढ़ाई में दिल नहीं लगता। शिक्षक भी इससे परेशान रहते हैं कि वह बहुत मेहनत से पढ़ाते हैं लेकिन छात्र उसे आत्मसात नहीं कर पाता। यह समस्या या शिकायत बहुत सामान्य है लेकिन यदि छात्रों को कठिन पाठ भी कहानी-किस्सों और चित्रों के माध्यम से पढ़ाये जायें तो छात्रों को भी पढ़ने-सीखने में आनंद की अनुभूति होने लगती है। आप स्वयं अपने बचपन को याद कीजिए कि आपको कॉमिक्स कितनी भाती थीं। बहुत सी कथाएं और पात्र आपको आज भी याद होंगे और आप उन्हें कभी नहीं भूल सकते। नब्बे के दशक में वर्ल्ड कॉमिक्स की शुरुआत एक लब्धप्रतिष्ठ कार्टूनिस्ट शरद शर्मा ने की थी और आज यह संस्था कॉमिक्स के माध्यम से शिक्षण को आगे बढ़ाने के लिये दुनिया के कई देशों में कार्यशालाएं आयोजित करती है। हालांकि हमारे प्रदेश में अभी इसका विस्तार नहीं हो पाया लेकिन हमारे होनहार शिक्षक शून्य निवेश पर इस नवाचार को परिमार्जित कर छात्रों को शिक्षित-दीक्षित कर रहे हैं। कॉमिक्स के माध्यम से पठन-पाठन एक सशक्त नवाचार है, जिसे यदि हर विद्यालय अपना ले तो छात्रों को पाठ्यक्रम सरल व रोचक लगेगा और विभिन्न विषयों के पाठ उनके मस्तिष्क में अंकित हो जायेंगे।

नवाचारक

1. **सोनिया रानी चौहान,** पू.मा.वि. अब्दुल्लापुर लेदा, ठाकुरद्वारा, मुरादाबाद
2. **ओमश्री वर्मा,** यू.पी.एस. मंझना, शमसाबाद, फर्रूखाबाद
3. **पूनम सिंह,** प्रा.वि. जमीनहुसैनाबाद, बाराबंकी

नवाचार के क्षेत्र

1. सीखने के परिणाम में सुधार या कक्षा अनुकूल सीखने के स्तर में सुधार।
2. पृथक एवं विशेष आवश्यकता वाले छात्रों के लिए समावेशी शिक्षा का सृजन।
3. रचनात्मकता का विकास।

किन विद्यालयों में उपयुक्त है: प्रत्येक विद्यालय में लागू किया जा सकता है।

दुःख का अधिकार
अरे भाई! इनके लिए मरे-जिए का कोई मतलब नहीं, पर दूसरे के धर्म ईमान का ख्याल करें। जवान बेटे के मरने पर तेरह दिन का सूतक होता है, इसके घर में सूतक है और ये खरबूजे बेचने बैठी है, कोई खाले तो उसका ईमान कैसे रहेगा
क्या जमाना है जवान लड़के को मरे पूरा दिन नहीं बीता और बेहया दुकान लगा कर बैठ गयी।
क्या जमाना है जवान लड़के को मरे एक दिन नहीं बीता। अरे इन लोगों की क्या ये लोग रोटी के टुकड़े पर जान देते हैं।
अरे जैसी नीयत होती है, अल्लाह भी वैसी ही बरकत देता है।
क्यों भाई! क्या हो गया है?
इस बुढ़िया का तेईस बरस का जवान लड़का था। घर में बहू व पोती-पोता है। लड़का परसों सुबह मुँह-अँधेरे बेलों में से पके खरबूजे चुन रहा था। मेड़ पर विश्राम करते साँप पर लड़के का पैर पड़ा और साँप ने लड़के को डस लिया।
अरे भाई! इस बावली बुढ़िया ने लड़के को बचाने के लिए ओझा की दान-दक्षिणा में घर का आटा-अनाज उठा दिया पर भगवाना न बचा।
भगवाना के अंतिम संस्कार हेतु घर का सबकुछ खत्म हो गया था। बच्चों को भूख से बिलबिलाता देख दादी ने उन्हें खाने के लिए खरबूजे दिए पर बुखार से तपती बहू के इलाज के लिए कौन उधार देता। इसलिए रोते-रोते बुढ़िया खरबूजे डलिया में समेट कर बाजार आ गयी थी।
कल मेरा बेटा चल बसा, और आज मैं सौदा बेचने चली है, हाय रे पत्थर-दिल
अरे, ये कैसी रीति है........
पड़ोस की सम्भ्रान्त महिला के पुत्र की मृत्यु होने पर वह ढाई महीने तक पलंग से उठ भी न सकी थी। हर पन्द्रह-पन्द्रह मिनट पर मूर्छा आ जाती थी।
और एक ये है।
सच, क्या इन्हें दुःख का भी अधिकार नहीं।
सोनिया चौहान
स.अ.
पू.मा.वि. अब्दुल्लापुर

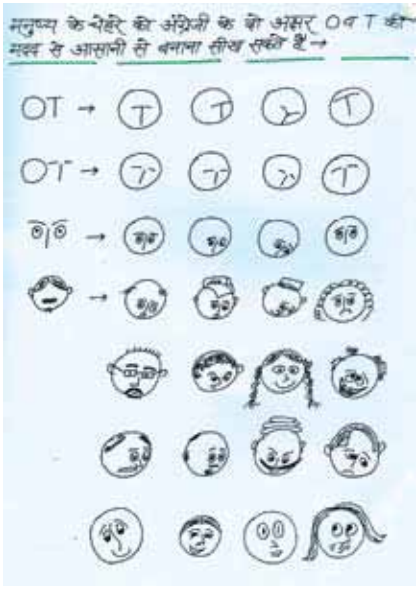

नवाचार का सार

1. बहुत से छात्र-छात्राओं को कुछ विषय जटिल या बोझिल लगते हैं। इसके चलते इन विषयों को रोचक बनाने हेतु चित्रों एवं कॉमिक्स का रूप दिया जाता है, जहां चित्रों एवं संवाद को परस्पर जोड़कर छात्र के ज्ञान को स्थायी बनाया जाता है। इससे सीखने की प्रक्रिया सरल हो जाती है।
2. यह आवश्यक नहीं कि हर अध्यापक अपने को चित्र व स्केच बनाने में सहज महसूस करें। कॉमिक्स के किरदारों के चित्रण के लिये बाहर से सामग्री भी उपलब्ध है।

क्रियान्वयन : स्केच व चित्र बनाने की प्रक्रिया को और सरल बनाने के लिये स्टीकर, स्टेन्सिल भी उपलब्ध रहते हैं। आवश्यक चित्र पुरानी किताबों व समाचार पत्रों से भी लिये जा सकते हैं।

सामग्री : ए4 साइज पेपर/चार्ट पेपर पेंसिल-रबर, स्केल ब्लैक पैन, स्केच-पैन

चरण-1

1. संबंधित प्रकरण को 2-3 बार पढें।
2. प्रकरण को चार भागों में (कहानी या मुख्य बातों के आधार पर) विभाजित करें।
3. प्रकरण पाठ के मुख्य पात्रों एवं उद्देश्यों को चिन्हित करें।
4. प्रत्येक भाग के संदर्भ को संवाद के रूप में परिवर्तित करें।

चरण-2

5. ए4 साइज के 2 पेपर या चार्ट लेकर उनमें 4 बॉक्स बनायें।
6. चार भाग में बांटी गयी कहानी के पात्रों को चित्र के रूप में दर्शाएं।
7. ऊपरी हिस्से में संवाद लिखें।
8. चित्र व भाव किस प्रकार सरलता से प्रकट किये जा सकते हैं, इसको विस्तार से ऊपर दिये गये चित्रों के माध्यम से दर्शाया गया है।

चरण- 3

1. छात्रों को पाठ से पूर्व सम्बंधित चित्रों को दिखायें।
2. छात्रों को प्रश्न पूछने एवं उत्तर देने का अवसर दें।
3. चित्र देखकर समूह-चर्चा को प्रोत्साहित करें।
4. चित्र निर्माण के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करें।

नवाचार के लाभ

1. छात्रों में रचनात्मकता व बोधगम्यता का विकास।
2. नीरस विषयों को रोचक बनानें में सहायक।
3. छात्रों की उत्सुकता को एक सकारात्मक रूप देना।

नोटः

1. छात्रों को भविष्य में छोटी-छोटी रोचक कहानी सुनाकर उन्हें चित्र बनाने को कहें। उन्हें इन चित्रों के संवाद लिखने को भी कहा जा सकता है।
2. भावों से युक्त चेहरे बनाने का अवसर दें।
3. छात्रों द्वारा सृजित कला एवं संवादों को शिक्षण में प्रयोग कर उनका उत्साहवर्धन करें। ■